Drishti IAS

करेंट अफेयर्स झारखंड

सितम्बर 2023

(संग्रह)

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

झारखंड 3

- झारखंड में साहित्य, संगीत नाट्य और ललित कला एकेडमी का होगा गठन, नियमावली का प्रारूप तैयार 3
- अपराध के मामलों में राँची पहले, धनबाद दूसरे व बोकारो तीसरे पायदान पर 4
- झारखंड के पहले डीजीपी शिवाजी महान कैरे का निधन 4
- झारखंड के दो शिक्षक राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित 5
- झारखंड कैबिनेट की बैठक में ट्रांसजेंडरों को पिछड़ा वर्ग में शामिल करने समेत 34 प्रस्तावों को मंज़ूरी दी गई 6
- राँची के ब्रह्म मंदिर को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने पर दोबारा निर्णय ले एएसआई : झारखंड हाईकोर्ट 7
- महादेव टोप्पो साहित्य अकादमी के COLIT सदस्य बने 8
- झारखंड स्कूल इनोवेशन चैलेंज-2023 9
- 3400 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा ओडिशा-झारखंड एक्सप्रेस-वे, डीपीआर तैयार 10
- दूसरा सुबर्नशिला सम्मान शेखर मल्लिक, दिलीप चक्रवर्ती और शांता चक्रवर्ती को दिये जाने की हुई घोषणा 10
- झारखंड को मिली पहली विस्टाडोम कोच वाली ट्रेन 11
- गुमला, सिमडेगा व हज़ारीबाग ज़िले में होगा महाझींगा मछली का पालन 12
- राँची में 17 सितंबर को लॉन्च होगी प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना 13
- पूर्व डीजीपी नीरज सिन्हा बने जेएसएससी अध्यक्ष 14
- झारखंड में मेडिको टूरिज्म को मिलेगा बढ़ावा, टूरिस्ट स्पॉट्स पर खुलेंगे योगायुष केंद्र 14
- झारखंड के पहले सोलर प्लांट का उद्घाटन 15
- प्रधानमंत्री करेंगे बोकारो व दुमका एयरपोर्ट का उद्घाटन 16
- देवघर में पाँच हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के लिये बनेगा भवन 17
- 'हमारी गोमाता हमारा दायित्व' योजना का प्रस्ताव पारित 18
- बेरमो के ढोरी एरिया में लगेगी CCL की पहली हाइवॉल माइनिंग 18
- झारखंड में पेसा कानून को दिया गया अंतिम रूप 20
- झारखंड के सरकारी स्कूलों में होगा 'मेरी माटी मेरा देश' कार्यक्रम का आयोजन 21
- राज्यसभा के उपसभापति ने पद्मश्री बलबीर दत्त की पुस्तक 'भारत विभाजन और पाकिस्तान के षडयंत्र' का किया लोकार्पण 22
- झारखंड ने लगातार दूसरे वर्ष सुब्रतो कप फुटबॉल इंटरनेशनल टूर्नामेंट जीता 23
- स्मार्ट सिटी में पूर्वी ज़ोन से राँची को बेस्ट परफॉर्मर अवॉर्ड मिला 23
- मैकलुस्कीगंज को बेस्ट मिला टूरिस्ट गाँव का पुरस्कार 24

नोट :

झारखंड

झारखंड में साहित्य, संगीत नाट्य और ललित कला एकेडमी का होगा गठन, नियमावली का प्रारूप तैयार

चर्चा में क्यों ?

- 31 अगस्त, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड के पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के अंतर्गत झारखंड सांस्कृतिक कार्य निदेशालय ने झारखंड में साहित्य एकेडमी, संगीत नाट्य एकेडमी और ललित कला एकेडमी के गठन के लिये प्रस्ताव सह नियमावली का प्रारूप (ड्राफ्ट) तैयार कर लिया है।

प्रमुख बिंदु

- जानकारी के अनुसार झारखंड अलग राज्य गठन के 22 वर्षों बाद 'झारखंड राज्य साहित्य एकेडमी', 'झारखंड राज्य संगीत नाट्य एकेडमी'और 'झारखंड राज्य ललित कला एकेडमी'का गठन करने का निर्णय लिया गया है।
- इसकी ज़िम्मेदारी पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग को सौंपी गई है। विभाग के अंतर्गत झारखंड सांस्कृतिक कार्य निदेशालय ने तीनों एकेडमी के गठन के लिये प्रस्ताव सह नियमावली का प्रारूप (ड्राफ्ट) तैयार कर लिया है।
- हालाँकि, कैबिनेट से इसकी स्वीकृति लेने से पूर्व राज्य सरकार ने एकेडमी के गठन प्रस्ताव में प्रबुद्ध कलाकारों, साहित्यकारों, संस्कृतिकर्मियों, रंगकर्मियों आदि से सुझाव, विचार आदि मांगे हैं, ताकि इसके गठन में किसी प्रकार की त्रुटि नहीं रह जाए। इसके लिये सांस्कृतिक कार्य निदेशालय ने 11 सितंबर, 2023 तक का समय निर्धारित किया है।
- संतोषजनक सुझाव/विचार आने पर इसे प्रस्ताव/नियमावली में शामिल किया जाएगा व इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। सुझाव या विचार देने वाले व्यक्ति निदेशालय की वेबसाइट (www.jharkhandculture.com) से तैयार प्रस्ताव सह प्रारूप नियमावली डाउनलोड करते हुए अपना सुझाव या विचार हाथों-हाथ/निबंधित डाक/ कुरियर से एमडीआइ भवन धुर्वा स्थित निदेशालय कार्यालय में जमा कर सकते हैं या फिर निदेशालय के ई-मेल (dirjharkhandculture@gmail.com) पर भी भेज सकते हैं।

नोट :

- विदित है कि अलग राज्य गठन के बाद से ही झारखंड में साहित्य सहित संगीत नाटक तथा ललित कला एकेडमी के गठन की मांग विभिन्न संगठनों के माध्यम से होती रही है। साहित्य एकेडमी के गठन के लिये स्थापना संघर्ष (तदर्थ) समिति का गठन किया गया है। संघर्ष समिति के अध्यक्ष शिरोमणि महतो सहित विधायक विनोद सिंह, कलाकार बासु बिहारी ने भी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर तीनों एकेडमी के गठन की मांग की थी। मुख्यमंत्री सोरेन ने सदस्यों को आश्वासन दिया था कि शीघ्र ही इस दिशा में कार्रवाई होगी।

अपराध के मामलों में राँची पहले, धनबाद दूसरे व बोकारो तीसरे पायदान पर

चर्चा में क्यों?

- 4 सितंबर, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड राज्य में इस वर्ष अपराध के मामलों में राँची पहले, धनबाद दूसरे व बोकारो तीसरे पायदान पर है।

प्रमुख बिंदु

- इस वर्ष अपराध के बढ़े मामले चिंताजनक हैं, जनवरी से जून महीने के बीच राँची, धनबाद, बोकारो व गिरिडीह में आपराधिक मामले पहले कम हुए, फिर बढ़े।
- क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो झारखंड के अनुसार, जनवरी से जून के बीच चोरी के सबसे अधिक मामले राँची में 1278, धनबाद में 536, बोकारो में 397 व गिरिडीह में 151 दर्ज किये गए। जनवरी से जून के बीच बलात्कार के मामले सबसे अधिक राँची में 90, गिरिडीह में 75, धनबाद में 38 तथा बोकारो में 32 मामले दर्ज किये गए।
- गौरतलब है कि अपराध के कुल मामले जनवरी के मुकाबले फरवरी और मार्च में कम दर्ज हुए। जनवरी में कुल मामले 595, फरवरी में 480 व मार्च में 466 दर्ज किये गए, मगर अपराध के कुल मामले फिर से बढ़कर अप्रैल, मई और जून में क्रमशः 550, 587 और 537 हो गए, जो कि चिंताजनक है।

झारखंड के पहले डीजीपी शिवाजी महान कैरे का निधन

चर्चा में क्यों?

- 4 सितंबर, 2023 को झारखंड के प्रथम पुलिस महानिदेशक (DGP) शिवाजी महान कैरे का 78 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह 1967 बैच के IPS अधिकारी थे।

प्रमुख बिंदु

- झारखंड के पहले डीजीपी (पुलिस महानिदेशक) व वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी शिवाजी महान कैरे के निधन पर राँची के पुलिस मुख्यालय सभागार में शोकसभा का आयोजन किया गया। इसमें झारखंड पुलिस के सेवानिवृत्त एवं वर्तमान आईपीएस अधिकारियों ने उनके साथ अपने बिताए गए समय को सहकर्मियों के साथ साझा किया।
- 11 जून, 1945 को उत्तर प्रदेश में जन्मे शिवाजी महान कैरे ने गणित विषय के साथ स्नातक तक की शिक्षा प्राप्त की थी। शिक्षा के क्षेत्र में विलक्षण प्रतिभा के कारण वर्ष 1967 में इनका चयन भारतीय पुलिस सेवा में हुआ था। उन्हें बिहार कैडर आवंटित किया गया था।
- झारखंड राज्य के स्थापना काल के दौरान इन्हें 12 नवंबर, 2000 को झारखंड का प्रथम पुलिस महानिदेशक बनने का गौरव प्राप्त हुआ।
- पुलिस महानिदेशक के बाद शिवाजी महान कैरे का ट्रांसफर महानिदेशक (निगरानी) के पद पर किया गया था, जहाँ ये नवंबर 2002 तक कार्यरत् रहे। उसके बाद इन्हें महानिदेशक सह महासमादेष्टा (गृह रक्षा वाहिनी) एवं अग्निशमन सेवा बनाया गया, जहाँ शिवाजी महान कैरे ने वर्ष 2004 तक अपनी कार्यकुशलता का परिचय दिया।

झारखंड के दो शिक्षक राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित

चर्चा में क्यों ?

- 5 सितंबर, 2023 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिक्षक दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में झारखंड के दो शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में देशभर के कुल 75 चयनित शिक्षकों को वर्ष 2023 के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया।
- इस शिक्षक सम्मान समारोह में सभी पुरस्कृत शिक्षकों को पुरस्कारस्वरूप 50 हज़ार रुपए नकद, प्रशस्ति-पत्र, शॉल, श्रीफल दिया गया।
- इस वर्ष राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिये झारखंड के दो शिक्षकों को चुना गया था, जिन्हें राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मानित शिक्षकों में मध्य विद्यालय दीवानखाना चतरा के प्रभारी प्रधानाध्यापक मो. इजाजुल हक और सैनिक स्कूल तिलैया कोडरमा के कंप्यूटर साइंस के शिक्षक मनोरंजन पाठक शामिल हैं।
- विदित है कि मध्य विद्यालय दीवानखाना के प्रभारी प्रधानाध्यापक मो. इजाजुल हक को यह सम्मान खेल-खेल में बच्चों को पढ़ाने, सामाजिक कार्यों के तहत छात्रों की बेहतरी के लिये हमेशा कार्य करने, अभिवंचित वर्ग के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने, कला आधारित बच्चों को पढ़ाने पर दिया गया। वर्ष 2022 में उन्हें बेस्ट टीचर डिस्ट्रिक अवॉर्ड भी मिला था।
- राष्ट्रीय शिक्षक दिवस:
  - वर्ष 1962 से प्रतिवर्ष 5 सितंबर को मनाए जाने वाले इस दिवस का उद्देश्य भारत में स्कूल अध्यापकों, शोधकर्त्ताओं और प्रोफेसरों सहित अन्य शिक्षकों के योगदान का सम्मान करना है।
  - भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने छात्रों के उत्सव के अनुरोध की प्रतिक्रिया में उनके जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने का सुझाव दिया था।
- राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार:
  - राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार का उद्देश्य देश के कुछ बेहतरीन शिक्षकों के अनूठे योगदान का जश्न मनाना तथा उन शिक्षकों को सम्मानित करना है, जिन्होंने अपनी प्रतिबद्धता के माध्यम से न केवल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार किया है, बल्कि अपने छात्रों के जीवन को भी समृद्ध बनाया है।
  - ये पुरस्कार प्रत्येक वर्ष 5 सितंबर को भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किये जाते हैं।
  - पुरस्कार में एक रजत पदक, एक प्रमाण-पत्र एवं 50,000 रुपए की नकद राशि शामिल है।
  - इस वर्ष पुरस्कार के दायरे में स्कूली शिक्षा तथा साक्षरता विभाग द्वारा चयनित शिक्षकों के अतिरिक्त उच्च शिक्षा विभाग एवं कौशल विकास मंत्रालय द्वारा चयनित शिक्षकों को भी शामिल किया गया है।

झारखंड कैबिनेट की बैठक में ट्रांसजेंडरों को पिछड़ा वर्ग में शामिल करने समेत 34 प्रस्तावों को मंज़ूरी दी गई

चर्चा में क्यों ?

- 6 सितंबर, 2023 को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक हुई, जिसमें कुल 34 प्रस्तावों सहित ट्रांसजेंडर समुदाय को पिछड़े वर्ग में शामिल करने पर मुहर लगी।

प्रमुख बिंदु

- मंत्रिमंडल ने सामाजिक सहायता योजना के तहत ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों के लिये मुख्यमंत्री राज्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के प्रस्ताव को मंज़ूरी दी है। इसके तहत पात्र लाभार्थी को वित्तीय सहायता के रूप में प्रति महीने एक हजार रुपए मिलेंगे।
- महिला, बाल विकास और सामाजिक सुरक्षा विभाग के अनुसार, झारखंड में 2011 में करीब 11,900 ट्रांसजेंडर थे। वर्तमान में इनकी संख्या करीब 14,000 हो गयी है।
- इसके अलावा कैबिनेट की बैठक में राज्य के 12 ज़िलों में कार्यरत 2500 सहायक पुलिसकर्मियों की सेवा एक साल बढ़ाने की स्वीकृति दी है। पहले सहायक पुलिसकर्मियों की सेवा छह साल के लिये थी। इसे सात साल के लिये कर दिया गया है।
- इसके अतिरिक्त आठवीं कक्षा में पढ़नेवाले विद्यार्थियों को साइकिल खरीद का पैसा उनके खाते में डीबीटी से देने की स्वीकृति दी है।

नोट :

- कैबिनेट की बैठक में पुलिस पदाधिकारियों को झारखंड स्थापना दिवस के मौके पर दिये जानेवाले पुलिस पदक की चयन प्रक्रिया में संशोधन किया गया है। पहले मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली कमेटी चयन करती थी। अब गृह सचिव की अध्यक्षता वाली कमेटी तय करेगी।
- कैबिनेट ने तय किया है कि अब झारखंड प्रशासनिक सेवा की सीमित परीक्षा में अनुकंपा पर नियुक्त कर्मी भी शामिल हो सकेंगे। इसके लिये सरकार ने झारखंड प्रशासनिक सेवा नियमावली-2015 में संशोधन किया है।
- झारखंड कैबिनेट ने तय किया है कि राज्य के वित्त रहित शैक्षणिक संस्थानों को नैक ग्रेडिंग के आधार पर ही अनुदान मिलेगा। इसमें छात्र संख्या और ग्रेडिंग को आधार बनाया है।
- अगर किसी छात्रों की संख्या 2001 से अधिक है और नैक का ए ग्रेडिंग है, उसे 30 लाख रुपए तक अनुदान मिलेगा। जबकि सबसे न्यूनतम विद्यार्थी संख्या 200 से 500 होने और ग्रेड सी होने पर चार लाख रुपए अनुदान मिलेगा।
- निर्वाचन संबंधी कार्य से अलग कर्तव्य निर्वहन झारखंड राज्य में प्रतिनियुक्त अर्द्ध सैनिक बल को मिलनेवाले अनुदान में संशोधन किया गया है।
- इन प्रस्तावों पर भी लगी मुहर
  - स्वास्थ्य विभाग में निदेशक आयुष का भर्ती नियमावली को मंजूरी।
  - कांची सिंचाई योजना के लिये ईचागढ़ नहर के पुनर्स्थापन के लिये 63.56 करोड़ प्रशासनिक स्वीकृति।
  - आशुलिपिक की नियुक्ति एवं प्रोन्नति नियमावली-2023 के गठन को स्वीकृति।
  - मुख्य सूचना आयुक्त के वेतन एवं भत्ते सेवा शर्तों के बंधेज निर्वाचन में संशोधन।
  - झारखंड बाल विकास परियोजना पदाधिकारी सेवा संवर्ग नियमावली-2018 को संशोधित कर 2023 का गठन किया गया।
  - जल संसाधन में शोध सहायक कर्मियों के लिये भर्ती एवं प्रोन्नति नियमावली को स्वीकृति।
  - झारखंड राज्य औषधि जाँच प्रयोगशाला नियमावली-2023 के गठन को स्वीकृति।
  - निदेशक औषधि जाँच प्रयोगशाला नियमावली-2023 को स्वीकृति।
  - निदेशक औषधि झारखंड नियमावली-2023 को स्वीकृति।
  - झारखंड पंचायत सचिव नियमावली-2014 में संशोधन।
  - झारखंड किशोर न्याय नियमावली-2003 के तहत रांची एवं पूर्वी सिंहभूम में एक-एक अतिरिक्त किशोर न्याय बोर्ड के गठन को स्वीकृति।
  - झारखंड उच्च न्यायालय की अनुशंसा के आलोक में सिविल जज के 28 न्यायिक पदाधिकारियों को ज़िला जज में स्वीकृति।

राँची के ब्रह्म मंदिर को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने पर दोबारा निर्णय ले एएसआई : झारखंड हाईकोर्ट

चर्चा में क्यों?

- 5 सितंबर, 2023 को राँची के ऐतिहासिक टैगोर हिल के ऊपर स्थित ब्रह्म मंदिर के संरक्षण व राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने को लेकर दायर जनहित याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा है कि टैगोर हिल के ब्रह्म मंदिर को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने के संबंध में भारतीय पुरातत्त्व विभाग (एएसआई) तीन माह के अंदर फिर से निर्णय ले।

प्रमुख बिंदु

- चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र व जस्टिस आनंद सेन की खंडपीठ ने राज्य सरकार को कई निर्देश देते हुए जनहित याचिका को निष्पादित कर दिया। इससे पहले 31 जुलाई को मामले में सुनवाई पूरी होने के बाद खंडपीठ ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

- राज्य सरकार को टैगोर हिल क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने का निर्देश देते हुए खंडपीठ ने कहा कि भूमि सुधार व राजस्व विभाग एक समिति बनाएगा, जो टैगोर हिल की चहारदीवारी की माप कराएगी। यह माप ओरिजनल राजस्व रिकॉर्ड के अनुरूप कराई जाए। इसके बाद टैगोर हिल की चहारदीवारी को उसके मूल स्वरूप में लाया जाए। सर्वे के लिये बनाई जानेवाली समिति में राँची के उपायुक्त द्वारा मनोनीत सदस्य रहेंगे।
- खंडपीठ ने राज्य सरकार को टैगोर हिल के ब्रह्म मंदिर, कुसुम ताल, शांति धाम व समाधि स्थल का संरक्षण तथा रख-रखाव करने का निर्देश दिया। खंडपीठ ने कहा कि टैगोर हिल क्षेत्र को सुंदर बनाया जाए तथा पूरे क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र घोषित किया जाए।
- इससे पूर्व मामले की सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता शैलेश पोद्दार ने पैरवी की। वहीं राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता आशुतोष आनंद व केंद्र सरकार की ओर से अधिवक्ता प्रशांत पल्लव ने पक्ष रखा था।
- उल्लेखनीय है कि प्रार्थी सोसाइटी ऑफ प्रिजर्वेशन ऑफ ट्राइबल कल्चर एंड नेचुरल ब्यूटी की ओर से जनहित याचिका दायर की गई थी। प्रार्थी ने ब्रह्म मंदिर के संरक्षण के साथ-साथ इसे राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने की मांग की थी।
- मामला याचिकाकर्त्ता ने कहा है कि मोरहाबादी में टैगोर हिल के ऊपर स्थित ब्रह्म मंदिर 1910 में बना था। इसे गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के बड़े भाई ज्योतिरिंद्रनाथ टैगोर ने बनवाया था। वह नाटककार, चित्रकार और संगीतकार थे। ब्रह्म मंदिर के संरक्षण के साथ-साथ केंद्र सरकार के भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण की ओर से इसे राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया जाए।

महादेव टोप्पो साहित्य अकादमी के COLIT सदस्य बने

चर्चा में क्यों ?

- 6 सितंबर, 2023 को झारखंड के प्रख्यात साहित्यकार महादेव टोप्पो को साहित्य अकादमी के सेंटर फॉर ओरल एंड ट्राइबल लिटरेचर (सीओटी लिट) का बोर्ड मेंबर नियुक्त किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- झारखंड के प्रख्यात साहित्यकार महादेव टोप्पो का जन्म रांची ज़िले के हुलसी गांव में वर्ष 1954 में एक कुड़ुख आदिवासी परिवार में हुआ था।
- महादेव टोप्पो स्नातकोत्तर की शिक्षा ग्रहण करने के साथ वर्ष 1994 में पुणे स्थित फिल्म एप्रेसिशन सर्टिफिकेट कोर्स भी किया।
- उनकी प्रमुख रचनाएँ हिन्दी के पत्र-पत्रिकाओं में धर्मयुग, परिकथा, नया ज्ञानोदय, वागर्थ सबलोग, समयांतर, इंडिया टुडे, समकालीन जनमत, विश्व-रंग, बनास जन, जनसत्ता, प्रभात खबर आदि में प्रकाशित हुईं। इन रचनाओं में लेख, टिप्पणी, कहानी, कविताएं आदि शामिल हैं।
- उनकी प्रमुख रचनाओं में 'जंगल पहाड़ के पाठ (कविता संग्रह)', 'सभ्यों के बीच आदिवासी (लेख संग्रह)' तथा कविता-संग्रह 'जंगल पहाड के पाठ', का अंग्रेजी, मराठी और संताली में अनुवाद आदि शामिल है। उनकी कुछ कविताओं का जर्मनी, अंग्रेजी, मराठी, तेलुगू, संस्कृत, संताली, असमिया में भी प्रकाशन किया गया।

- उन्होंने कुड़ुख फिल्म 'पहाड़ा' तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित 'एड़पा काना (गोइंग होम)' में अभिनय भी किया है। उन्होंने अपनी मातृभाषा कुड़ुख में लघु-नाटक की रचना भी की है।
- महादेव टोप्पो को बिरसा मुंडा पुरस्कार समेत अनेक अनेक सम्मान प्रदान किये गए हैं।
- फिलहाल, वे झारखंड की राजधानी राँची में रहते हुए भाषा, साहित्य, कला, संस्कृति तथा मातृभाषा कुड़ुख के विकास के लिये कार्य कर रहे हैं।

झारखंड स्कूल इनोवेशन चैलेंज-2023

चर्चा में क्यों ?

- 9 सितंबर, 2023 को झारखंड के धनबाद आईआईटी आईएसएम द्वारा आयोजित झारखंड स्कूल इनोवेशन चैलेंज-2023 के ग्रैंड फिनाले का रिजल्ट जारी कर दिया गया है, जिसमें पूर्वी सिंहभूम का लोयला स्कूल स्टेट चैंपियन बना।

प्रमुख बिंदु

- विदित है कि पर्यावरणविदों के लिये कचरे में फेंकी जाने वाली प्लास्टिक की बोतल हमेशा चिंता का विषय बनी रही है। वे हमेशा इसके उचित प्रबंधन के तरीके तलाशते रहते हैं। इसी दिशा में पूर्वी सिंहभूम के लोयोला स्कूल की टीम ने इस समस्या का रचनात्मक समाधान दिया है।
- पूर्वी सिंहभूम के लोयला स्कूल के छात्र सागर कुमार व संकल्प कुमार ने यूज़ (प्रयुक्त) व बेकार प्लास्टिक को उपयोगी पदार्थ में बदलने की तकनीक विकसित की है।
- लोयोला स्कूल, जमशेदपुर के छात्रों की टीम ने कचरा में फेंक दी जाने वाली प्लास्टिक की बोतल से काम की चीजें तैयार करने वाला थ्री डी प्रिंटर तैयार किया है। यह थ्री डी प्रिंटर पहले मशीन की मदद से प्लास्टिक की बोतलों को काट कर महीन फाइबर में बदल देता है, फिर इस फाइबर को मोल्ड कर थ्री डी प्रिंटर से उपयोगी सामान बना देता है। यह प्रोजेक्ट कचरा प्रबंधन का रचनात्मक तरीका है।
- आईआईटी आईएसएम का नरेश वशिष्ट सेंटर फॉर इनोवेशन एंड टिंकरिंग (एनवीसीटीआई) इस उत्पाद की मार्केटिंग में सहयोग करेगा।
- प्रतियोगिता में देवघर ज़िला के मधुपुर के महेंद्र मुनि सरस्वती विद्या मंदिर की टीम द्वितीय और जमशेदपुर के हिल टॉप स्कूल की टीम तृतीय स्थान पर रही।
- इनके साथ ही क्रमश: चौथे और पाँचवें स्थान पर रही डीबीएमएस इंग्लिश स्कूल जमशेदपुर और एसडीएसएम स्कूल जमशेदपुर की टीम को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।
- ग्रैंड फिनाले में पूरे राज्य से 10 स्कूल की टीम पहुँची थी। पुरस्कृत पाँच बेस्ट आइडिया में चार जमशेदपुर के स्कूलों की टीम हैं।
- मुख्य अतिथि व झारखंड टेक्निकल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. (डॉ.) डीके सिंह ने विजेता टीम को को 50 हज़ार रुपए नकद पुरस्कार और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।
- महेंद्र मुनि सरस्वती विद्या मंदिर की टीम (अमन कुमार, अंशु कुमार व रोशन कुमार) ने मिलकर फायर फाइटर ड्रोन विकसित किया है। यह ड्रोन खुद से पास के जल स्रोत से पानी उठा कर आग पर इसका छिड़काव करने में समक्ष है।
- अमन कुमार ने बताया कि उन्हें इसे विकसित करने का विचार देवघर के एक स्कूल में चार-पाँच महीने पहले लगी आग की वजह से आया। तीनों ने मिलकर करीब दो महीने पहले इस प्रोजेक्ट पर काम करना शुरू किया था। इस ड्रोन को विकसित करने की पूरी लागत 14 हज़ार रुपए है। इसमें 2200 एमएएच बैटरी का उपयोग किया गया है। यह ड्रोन को बिजली आपूर्ति करती है।
- हिल टॉप पब्लिक स्कूल, जमशेदपुर की टीम (आरुष कुमार, दर्शिल त्रिपाठी और सिद्धार्थ सिंह) ने किसानों के लिये मददगार खेत रक्षक ऐप तैयार किया है। यह ऐप समय रहते बताएगा कि खेतों में लगी फसलों पर टिड्डों का कब हमला होने वाला है। इससे किसान समय रहते खेतों में कीटनाशकों का इस्तेमाल कर टिड्डों का हमला रोक सकते हैं।
- साथ ही, यह ऐप फसलों में होने वाली बीमारियों की पहचान में सक्षम है। इसके बाद किसान अपनी फसलों की सुरक्षा के उपाय कर सकते हैं। यह ऐप किसानों के व्हाट्सअप के साथ एसएमएस के ज़रिये हर पाँच मिनट में खेतों की अद्यतन स्थिति की जानकारी देगा।

3400 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा ओडिशा-झारखंड एक्सप्रेस-वे, डीपीआर तैयार

चर्चा में क्यों?

- 9 सितंबर, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार ओडिशा के लिट्टीबेडा से झारखंड की राजधानी राँची में सीठियो (रिंग रोड) तक बननेवाले एक्सप्रेस-वे की डीपीआर तैयार हो गई है। कुल 147 किमी. लंबा एक्सप्रेस-वे बनना है, जो पूरी तरह से ग्रीन कॉरिडोर होगा।

प्रमुख बिंदु

- इसमें से 121 किमी. झारखंड में बनना है। यहाँ करीब 3400 करोड़ रुपए से तीन फेज का काम होना है। इसमें भू-अर्जन की भी राशि शामिल है। वहीं, ओडिशा में करीब 26 किमी. का निर्माण कराया जाएगा। इसकी लागत करीब 700 करोड़ रुपए आएगी।
- इस सड़क के बन जाने से राँची से संबलपुर करीब दो घंटे में ही पहुँचा जा सकेगा।
- विदित है कि इस सड़क का एलाइनमेंट फाइनल नहीं हो रहा था। एक बार वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की ओर से इसमें संशोधन कराया गया था। वहीं फिर एक बार इस पर आपत्ति हुई। ऐसे में डीपीआर में कई बार बदलाव हुआ।
- जंगली जानवरों, हाथियों आदि के गुज़रने के लिये कॉरिडोर का निर्माण कराया जाएगा। जंगली जानवर सड़क पर न आ जाएँ, इसके लिये आठ फीट ऊंचा गार्डवाल बनाया जाएगा। सुरक्षा को लेकर कई उपाय किये जा रहे हैं।
- झारखंड में तीन चरणों में काम होना है। पहले चरण में केरिया से क्योंदपानी तक करीब 30.35 किमी. का काम होना है। वहीं दूसरे चरण में क्योंदपानी से लतरा तक 43.7 किमी. तथा तीसरे चरण में लतरा से सीठियो (राँची) तक करीब 47 किमी. का काम होगा।
- वहीं, ओडिशा में लिटेंबाड़ा से जोराम होते हुए जामटोली (केरिया) तक दो चरणों में सड़क बनेगी।
- दूसरा सुबर्नशिला सम्मान शेखर मल्लिक, दिलीप चक्रवर्ती और शांता चक्रवर्ती को दिये जाने की हुई घोषणा

दूसरा सुबर्नशिला सम्मान शेखर मल्लिक, दिलीप चक्रवर्ती और शांता चक्रवर्ती को दिये जाने की हुई घोषणा

चर्चा में क्यों?

- 9 सितंबर, 2023 को झारखंड के घाटशिला नगर की सांस्कृतिक साहित्यिक संस्था 'विभूति स्मृति संसद' द्वारा प्रतिवर्ष बांग्ला सहित अन्य भाषाओं में उल्लेखनीय साहित्यिक योगदान के लिये दिये जाने वाला 'सुबर्नशिला सम्मान' इस वर्ष घाटशिला के साहित्यकार प्रगतिशील लेखक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य और राज्य के उप महासचिव शेखर मल्लिक सहित दिलीप चक्रवर्ती और शांता चक्रवर्ती को दिये जाने की घोषणा हुई है।

प्रमुख बिंदु

- विदित है कि गत वर्ष हिन्दी के महत्त्वपूर्ण कथाकार रणेंद्र जी को यह सम्मान प्रदान किया गया था।
- इस साल साहित्यकार शेखर मल्लिक के साथ बांग्ला के वरिष्ठ लेखक पत्रकार दिलीप चक्रवर्ती ('अनटोल्ड स्टोरीज़ ऑफ इप्टा एंड निरंजन सेन' पुस्तक के मित्रा सेन मजूमदार के साथ सह संपादक) और बांग्ला भाषा की कवयित्री शांता चक्रवर्ती को भी यह सम्मान दिया जा रहा है।
- ज्ञातव्य है कि शेखर मल्लिक की अब तक 5 किताबें प्रकाशित हो चुकी हैं। देश के जाने-माने लेखक शेखर मल्लिक सामाजिक, राजनीतिक सरोकारों की कहानियाँ लिखते हैं। आदिवासी जीवन पर इनका उपन्यास कालचिति बहुत मशहूर है और 'डायनमारी', 'जंगल मोर दुलाड़िया' जैसी कहानियाँ भी चर्चित हैं।

- इसी वर्ष शेखर को भारतीय भाषा परिषद् कोलकाता का प्रतिष्ठित युवा पुरस्कार मिला था।
- दिलीप चक्रवर्ती कोलकाता प्रेस क्लब के मानद आजीवन सदस्य हैं। उन्हें कलम सेना सम्मान मिला है। दिलीप चक्रवर्ती की कुछ चर्चित पुस्तकें 'ताहादेर प्रेम कथा', 'लॉक डाउनेर दिनगुली' और 'श्रेणी संग्रामेर सब्यसाची' आदि हैं।
- शांता चक्रवर्ती कविता लेखन और पत्रकारिता करती हैं। वे स्रोत स्वमिनी इच्छामती की संपादिका हैं। उनकी कविताएँ बांग्लाभाषी पाठक समुदाय में बहुत सराही गई हैं।
- 'विभूति स्मृति संसद'घाटशिला की ओर से जारी सूचना के अनुसार विभूति भूषण बंद्योपाध्याय की 129वीं जयंती के मौके पर आगामी 12 सितंबर, 2023 को विभूति मंच, कॉलेज रोड (घाटशिला) में एक साहित्य सभा के अंतर्गत यह सम्मान समारोह आयोजित होगा।
- इस साहित्य सभा में प्रसिद्ध रंग निर्देशक प्रोबीर गुहा, साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार विजेता अंग्रेज़ी लेखक सौवेंद्र शेखर हांसदा सहित कोलकाता, घाटशिला और आसपास के अनेक साहित्यप्रेमी, रंगकर्मी जुटेंगे।

झारखंड को मिली पहली विस्टाडोम कोच वाली ट्रेन

चर्चा में क्यों ?

- 12 सितंबर, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के राँची-न्यू गिरिडीह-राँची इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन का शुभारंभ हो गया है। इस ट्रेन की सबसे बड़ी खासियत है कि इसमें विस्टाडोम कोच की भी व्यवस्था की गई है।

प्रमुख बिंदु

- ट्रेन को 12 सितंबर को पूर्व-मध्य रेलवे के अंतर्गत न्यू गिरिडीह स्टेशन पर सुबह 10 बजे केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी द्वारा हरी झंडी दिखाई गई।
- गिरिडीह में उद्घाटन समारोह केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी, गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी, स्थानीय विधायक केदार हाजरा और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी शामिल हुए।
- पहले दिन यह ट्रेन स्पेशल ट्रेन के रूप में चली। इस दिन यह ट्रेन नियमित मार्ग की जगह परिवर्तित मार्ग बरकाकाना, मुरी, टाटीसिल्वे होकर चली। 13 सितंबर से इसकी सेवा नियमित कर दी जाएगी।

नोट :

- राँची-न्यू गिरिडीह-राँची इंटरसिटी एक्सप्रेस में एक विस्टाडोम कोच जोड़ा गया है। ट्रेन न्यू गिरिडीह स्टेशन और राँची के बीच चलेगी जो यात्रियों को प्राकृतिक सुंदरता की झलक के साथ यात्रा का एक नया अनुभव प्रदान करेगी।
- इस ट्रेन में लगा विस्टाडोम कोच एक प्रकार से पर्यटक कोच होगा, जिसकी ग्लास की खिड़कियाँ बड़ी होंगी। साथ ही इसमें छत पर भी पारदर्शी खिड़कियाँ लगी होंगी।
- इस विस्टाडोम कोच में यात्रा करते समय यात्री साइड के साथ ऊपर के दृश्य भी देख सकेंगे। इस कोच का निर्माण आईसीएफ ने किया है। इस कोच में 42-44 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था होगी। 180 डिग्री पर घूमने योग्य सीटों के साथ पुशबैक कुर्सियाँ भी होंगी।
- क्या है विस्टाडोम कोच
  - विस्टाडोम कोच एक प्रकार के टूरिस्ट कोच होते हैं, जिनकी ग्लास की खिड़कियाँ बड़ी होती हैं और साथ ही इसमें छत पर भी शीशे की पारदर्शी खिड़कियाँ लगी होती हैं। इसमें यात्रा करते समय यात्री को साइड के साथ ऊपर का दृश्य भी प्राप्त होता है।

गुमला, सिमडेगा व हज़ारीबाग ज़िले में होगा महाझींगा मछली का पालन

चर्चा में क्यों?

- 13 सितंबर, 2023 को झारखंड के मत्स्य विभाग ने केंद्रीय अंतर स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर) बैरकपुर, कोलकाता के सहयोग से राज्य के जलाशयों में महाझींगा संवर्धन के माध्यम से जनजातीय समुदायों की आजीविका में सुधार के लिये पहल की है, जिसके अंतर्गत राज्य के गुमला, सिमडेगा व हज़ारीबाग ज़िलों में पायलट प्रोजेक्ट के तहत मत्स्य पालक किसानों से महाझींगा का पालन कराया जाएगा।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- आईसीएआर के प्रिंसिपल साइंटिस्ट एके दास ने मत्स्य पालक किसानों को बताया कि झारखंड का केज कल्चर पूरे देश में नंबर वन पर है। इस प्रकार अब यहाँ महाझींगा को भी नंबर वन बनाना है, जिसके लिये यह पायलट प्रोजेक्ट बनाया गया है।
- प्रोजेक्ट के तहत 16 व 18 सितंबर, 2023 को गुमला के मसरिया बांध व हज़ारीबाग में दो-दो लाख तथा सिमडेगा के केलाघाघ में चार लाख महाझींगा मछली के बीज डाले जाएंगे। इसके बाद राँची में 20 सितंबर को राज्यस्तरीय बैठक होगी।
- राज्य के एसटी-एससी वर्ग के लोगों को मात्स्यिकी के क्षेत्र, विशेषकर महाझींगा पालन में बढ़ावा देने के लिये शुरू हुआ पायलट प्रोजेक्ट महाझींगा पालन व किसानों की आर्थिक उन्नति में मील का पत्थर साबित होगा।
- विदित है कि मछली में भरपूर मात्रा में पौष्टिक तत्त्व पाए जाते हैं, जो शरीर की कई तरह की बीमारियों व शारीरिक कमज़ोरियों, विशेषकर कुपोषण को दूर करने में बहुत ही कारगर है। लेकिन, महाझींगा उन सभी मछलियों से भी अधिक कारगर है।
- साथ ही अन्य मछलियों की अपेक्षा महाझींगा और भी अधिक महँगी है। यह मछली 400-500 रुपए प्रतिकिलो की दर से बिकती है।
- महाझींगा पालन कर किसान अपने सपनों को साकार कर सकते हैं, क्योंकि अन्य मछलियों की अपेक्षा महाझींगा मछली महँगी है। राज्य में मछली पालन के क्षेत्र में तरक्की हो रही है। मछली पालन करनेवाले लोग आर्थिक उन्नति कर रहे हैं।
- इसका पालन करने में राज्य सरकार किसानों का सहयोग करेगी और मछली तैयार होने के बाद इसका सारा लाभ किसानों को मिलेगा। इसे भोजन के रूप में उपयोग किया जा है और बाज़ार में बिक्री कर आर्थिक आमदनी कर सकते हैं।

राँची में 17 सितंबर को लॉन्च होगी प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना

चर्चा में क्यों ?

- 13 सितंबर, 2023 को राँची के उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने बताया कि राँची में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना 17 सितंबर को लॉन्च होगी।

प्रमुख बिंदु

- इस योजना का लाभ लोहार, कुम्हार, राजमिस्त्री, धोबी, फूल कारोबारी, मछली का जाल बुनने वाले, ताला व चाबी बनाने वाले व मूर्तिकार इसके अलावा अन्य क्षेत्र के श्रमिकों को भी दिया जाएगा।
- योजना के तहत पहले चरण में एक लाख रुपए तक का कर्ज़ पाँच फीसदी के ब्याज पर मिलेगा तथा दूसरे चरण में योग्य कामगारों को दो-दो लाख रुपए का रियायती कर्ज़ मिलेगा।

नोट :

- कारीगरों और शिल्पकारों को पीएम विश्वकर्मा प्रमाण-पत्र और पहचान-पत्र भी दिया जाएगा। वहीं आधुनिक उपकरण खरीदने के लिये 15 हज़ार रुपए की आर्थिक मदद भी दी जाएगी।
- इस योजना के तहत लाभ पाने के लिये न्यूनतम आयु 18 साल रखी गई है। परिवार के एक ही सदस्य को इस योजना का लाभ मिलेगा। आवेदन करने वालों को स्व-घोषणा पत्र भी देना होगा।

पूर्व डीजीपी नीरज सिन्हा बने जेएसएससी अध्यक्ष

चर्चा में क्यों ?

14 सितंबर, 2023 को झारखंड पुलिस के पूर्व डीजीपी नीरज सिन्हा को झारखंड कर्मचारी चयन आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। इस संबंध में कार्मिक विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है।

प्रमुख बिंदु

- इस अधिसूचना के अनुसार अध्यक्ष पद पर उनकी नियुक्ति 23 सितंबर से प्रभावी मानी जाएगी। वहीं नीरज सिन्हा की जन्मतिथि 8 जनवरी, 1962 है, ऐसे में वह झारखंड कर्मचारी चयन आयोग में पदभार ग्रहण करने की तिथि से अधिकतम 65 साल की उम्र तक इस पद पर बने रहेंगे।
- वर्तमान अध्यक्ष सुधीर त्रिपाठी का कार्यकाल 22 सितंबर को समाप्त हो रहा है।
- झारखंड के सेवानिवृत्त डीजीपी नीरज सिन्हा 1987 बैच के बिहार कैडर के आईपीएस अधिकारी हैं।
- राज्य गठन के बाद उन्हें झारखंड कैडर आवंटित हुआ था। 12 फरवरी, 2023 को वह झारखंड डीजीपी के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। वे दो सालों तक वह झारखंड के डीजीपी रहे।
- नीरज सिन्हा हज़ारीबाग एसपी राँची, एसएसपी समेत कई ज़िलों में एसपी, एसीबी में आईजी एडीजी व बाद में वायरलेस व एसीबी डीजी के पद पर भी रह चुके हैं।

झारखंड में मेडिको टूरिज्म को मिलेगा बढ़ावा, टूरिस्ट स्पॉट्स पर खुलेंगे योगायुष केंद्र

चर्चा में क्यों ?

- 16 सितंबर, 2023 को मीडिया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड के प्रमुख टूरिस्ट स्पॉट्स पर मेडिको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिये योगायुष केंद्र खोलने की योजना है। यहाँ पर्यटकों को एक छत के नीचे योग-आयुर्वेद और पंचकर्म का अनुभव मिलेगा।

प्रमुख बिंदु

- जानकारी के अनुसार इसके लिये तीन प्रमुख पर्यटन स्थलों का चयन किया गया है, जहाँ बाहरी और स्थानीय पर्यटक सबसे ज्यादा पहुँचते हैं। इनमें नेतरहाट, पतरातू और मैक्लुस्कीगंज शामिल हैं।
- राज्य सरकार द्वारा इन्हें योगायुष केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई है। सेंटर को श्रेष्ठ प्रामाणिक आयुर्वेदिक क्लिनिक, पंचकर्म केंद्र के रूप में स्थापित किया जाएगा। यहाँ पर्यटन के साथ ही तनाव मुक्ति जैसे कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।
- योगायुष केंद्र पर पर्यटकों को पंचकर्म सिद्धांतों पर आधारित पूरा पैकेज मिलेगा। आयुष के डॉक्टर पर्यटकों को बेहतर अनुभव देने के साथ ही विभिन्न विधाओं के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराएंगे।
- आयुर्वेदिक और नेचुरोपैथी दोनों विचारधाराएँ साथ काम करेंगी। इसमें अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान से भी मदद ली जा सकती है।
- योगायुष केंद्र, चिकित्सा का भविष्य में एकीकरण करने पर ज़ोर देगा। सरकार ने ध्यान, योग और सभी पहलुओं व गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले केंद्र के तौर पर इसे स्थापित करने का निर्णय लिया है। केंद्र में पंचकर्म, योग, जीवनशैली और संबंधित बुनियादी ढाँचे जैसे कई उपचार उपलब्ध होंगे। यहाँ एकीकृत चिकित्सा के लिये अलग खंड स्थापित करने की दिशा में काम किया जा रहा है।

झारखंड के पहले सोलर प्लांट का उद्घाटन

चर्चा में क्यों?

- 15 सितंबर, 2023 को केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के अध्यक्ष घनश्याम प्रसाद ने डीवीसी द्वारा संचालित केटीपीएस एरिया वन में स्थापित सौर ऊर्जा विद्युत उत्पादन प्लांट (सोलर प्लांट) का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि एरिया वन में झारखंड के पहले दस मेगावाट के सोलर प्लांट का निर्माण कार्य चल रहा है, जिसमें आज के टेस्टिंग चार्ज उद्घाटन के बाद दो मेगावाट बिजली उत्पादन शुरू हो गया। करीब 70 करोड़ की लागत से 50 एकड़ में इसकी स्थापना की जा रही है।
- केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के अध्यक्ष घनश्याम प्रसाद ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि सौर ऊर्जा से विद्युत उत्पादन होने पर कोयले के प्रति निर्भरता कम होगी व प्रदूषण पर नियंत्रण होगा। दिन में सूर्य की किरणों से विद्युत उत्पादन होगा, तो प्लांट में कोयला की खपत कम होगी।
- उन्होंने कहा कि आने वाले समय में सभी प्लांट सोलर सिस्टम से चलेंगे और भारत का नाम पूरे विश्व में रोशन होगा।

प्रधानमंत्री करेंगे बोकारो व दुमका एयरपोर्ट का उद्घाटन

चर्चा में क्यों?

- 18 सितंबर, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनवरी 2024 में झारखंड के बोकारो और दुमका एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे।

प्रमुख बिंदु

- भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने इसके परिचालन के लिये हरी झंडी दे दी है। एयरपोर्ट के लाइसेंस की प्रक्रिया भी पूरी हो गई है तथा जनवरी 2024 से बोकारो और दुमका एयरपोर्ट से विमान उड़ान भरने लगेंगे।
- बोकारो व दुमका में विमान परिचालन शुरू होने के बाद झारखंड विमानन सेवा में बिहार से आगे होगा।
- नागर विमानन मंत्रालय ने बोकारो, दुमका के बाद हजारीबाग और डाल्टनगंज के हवाई अड्डे के पुनरुद्धार की भी योजना बनाई है। इस पर काम शुरू हो गया है।
- बोकारो एयरपोर्ट शुरू होने से धनबाद, गिरिडीह, प. बंगाल के पुरुलिया सहित कई शहरों के यात्रियों को सुविधा मिलेगी।
- बोकारो एयरपोर्ट सुरक्षा पैमाने पर खरा उतरा है। जाँच के बाद एयरपोर्ट पर विमानों के परिचालन की अनुमति मिली है। बोकारो से उड़ान भरने के लिये फ्लाइबिग व एलाइंस एयर को डीजीसीए से अनुमति मिल गई है।

नोट :

- बोकारो हवाई अड्डे से 70 से 80 सीटर विमान का परिचालन होगा। एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई 5400 फीट है। इसलिये छोटे विमान के परिचालन की अनुमति डीजीसीए से मिली है।
- विदित है कि बोकारो में बीएसएल की हवाई पट्टी पहले से ही थी। यहाँ एटीसी टावर, रनवे, फायर फीट, पैसेंजर लॉबी, मेन गेट सहित अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने का काम भी पूरा कर लिया गया है।

देवघर में पाँच हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के लिये बनेगा भवन

चर्चा में क्यों?

- 20 सितंबर, 2023 को झारखंड के स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार राज्य के देवघर ज़िला के शहरी क्षेत्रों में पाँच नए हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का निर्माण कराया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- 15वें वित्तीय वर्ष 2021-22 के अंतर्गत केंद्रीय वित्त आयोग व राज्य योजना के तहत देवघर नगर निगम और मधुपुर नगर परिषद क्षेत्र में पाँच हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का निर्माण करने का निर्णय लिया गया है, जिसके तहत राज्य सरकार की ओर से 1.72 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है।
- देवघर नगर निगम के अंतर्गत चंदाजोरी, बैद्यनाथपुर और बरियारबांधी में तथा मधुपुर नगर परिषद क्षेत्र के अंतर्गत चांदमारी और लालगढ़ में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का निर्माण कराया जाएगा।
- इसके लिये ज़िला प्रशासन की ओर से एक-एक भवन निर्माण हेतु करीब 2500 स्क्वायर फीट ज़मीन उपलब्ध कराई गई है। पूर्व में इसके लिये नक्शा भी तैयार किया गया था, जिसके अनुसार भवन का निर्माण किया जाएगा।
- स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, वर्तमान में इन सभी जगहों पर नगर निगम और नगर परिषद के वार्ड विकास केंद्र के भवन में यह सेंटर संचालित किया जा रहा है। एक-एक भवन निर्माण के लिये 34 लाख 45 हज़ार की राशि की स्वीकृति मिली है।

नोट :

'हमारी गोमाता हमारा दायित्व' योजना का प्रस्ताव पारित

चर्चा में क्यों ?

- 20 सितंबर, 2023 को नेपाल हाउस में झारखंड गो सेवा के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद की अध्यक्षता में हुई बैठक में 'हमारी गोमाता हमारा दायित्व' योजना के साथ कई अन्य प्रस्ताव पारित किये गए।

प्रमुख बिंदु

- अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ने बताया कि झारखंड में जल्द ही इस योजना को शुरू किया जाएगा। बैठक में गो संरक्षण व संवर्द्धन तथा शालाओं की आत्मनिर्भरता के लिये भावी कार्यक्रम पर भी चर्चा की गई।
- इस योजना से आम-जन को जोड़ा जाएगा। यह गोशालाओं में पोषित गोवंशीय पशुओं को गोद लेने के रूप में क्रियान्वित की जाएगी। इस मद में आने वाला दान गोशाला खाते में जमा किया जाएगा।
- बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी ज़िलों के आयुक्त के माध्यम से संबंधित गोचर भूमि को चिह्नित कर प्रतिबंधित सूची में डाले जाने तथा उक्त भूमि का उपयोग गो अभयारण्य के रूप में किया जाएगा तथा गोशाला में अलग से वृषमशाला नंदीशाला बनाई जाएंगी।
- गो के भोजन की दर 100 से 150 रुपए करने का निर्णय लिया गया है तथा गोबर निर्मित सामान से स्वरोज़गार सृजन किया जाएगा।

बेरमो के ढोरी एरिया में लगेगी CCL की पहली हाइवॉल माइनिंग

चर्चा में क्यों ?

- 21 सितंबर, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार बोकारो ज़िले में बेरमो कोयलांचल अंतर्गत सीसीएल के ढोरी एरिया में सीसीएल की पहली हाइवॉल माइनिंग लगेगी। 2024 के फरवरी-मार्च तक यहाँ हाइवॉल माइनिंग से कोयला उत्पादन शुरू होने की संभावना है।
- जानकारी के अनुसार ढोरी एरिया के एएडीओसीएम के अमलो माइंस में लगने वाली इस हाइवॉल माइनिंग से तीन साल में कुल 13 लाख टन कोयले का उत्पादन होगा।
- यहाँ से हर साल 3.5 लाख टन कोयले का खनन किया जाएगा। पहले साल तीन लाख टन और इसके बाद के वर्षों में सालाना 5-5 लाख टन यहाँ से कोल प्रोडक्शन होगा।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- इसमें अंडरग्राउंड माइंस गैलरी की तरह उत्पादन होगा। इसमें उत्पादित कोयले का साइज माइनस 100 एमएम से भी कम होगा और क्रश होकर बिलकुल फ्रेश कोयला निकलेगा। यह कोल माइंस से सीधे कन्वेयर बेल्ट में आएगा और यहाँ से फिर सरफेस में आकर गिरेगा। यहाँ से टिपर में लोड होकर साइडिंग व वाशरी में यह कोयला जाएगा।

नोट :

- झारखंड में फिलहाल एकमात्र टाटा के घाटी कोलियरी में हाइवॉल माइनिंग से उत्पादन किया जा रहा है। पूरे कोल इंडिया में कुल 30 हाइवॉल माइनिंग शुरू होने वाली हैं। इसीएल में दो और सीसीएल में एक बेरमो के ढोरी एरिया में इस तकनीक से कोयला उत्पादन शुरू होगा।
- जानकारी के अनुसार एएडीओसीएम की अमलो माइंस में जहाँ पर इस हाइवॉल माइनिंग को लगाया जाएगा, उसके ऊपरी सतह पर गाँव व बस्ती रहने के कारण जगह खाली नहीं हो पा रही है। साथ ही 100 मीटर के अंदर ब्लास्टिंग किया जाना भी प्रतिबंधित है। ऐसे में बगैर गाँव व बस्ती को हटाए और ज़मीन खाली कराए बिना यानी सरफेस को बगैर डिस्टर्ब किये अमलो माइंस में हाइवॉल माइनिंग लगाई जाएगी।
- भूमिगत खदान की गैलरी की तरह माइंस के अंदर प्लेटफॉर्म बनाया जाएगा, जिसपर हाइवॉल मशीन लगेगी और उत्पादन शुरू होगा।
- ढोरी एरिया के तारमी प्रोजेक्ट में सालाना 3 लाख टन कोयला फीड करने की क्षमता का एक नया कोकिंग वाशरी भी लगने जा रहा है। प्रबंधन के अनुसार ढोरी एरिया के एसडीओसीएम, अमलो, तारमी के अलावा कल्याणी एक्सपेंशन प्रोजेक्ट से उत्पादित कोयले को इस वाशरी में फीड किया जाएगा। यहाँ से वाशरी ग्रेड-5 का कोयला सीएचपी में चला जाएगा, जबकि वाशरी ग्रेड-3 का कोयला वाशरी में रह जाएगा। यहाँ से फिर इसे अन्यत्र जगहों पर भेजा जाएगा।
- जल्द ही ढोरी एरिया में सालाना 2 मिलियन क्षमता की कल्याणी एक्सपेंशन माइंस भी अस्तित्व में आएगी, जो 20 साल का प्रोजेक्ट है। इसके बाद ढोरी एरिया का कोल प्रोडक्शन का ग्राफ काफी बढ़ जाएगा, जिसको देखते हुए यहाँ वाशरी व सीएचपी का निर्माण किया जा रहा है।
- ढोरी क्षेत्रीय प्रबंधन के अनुसार ढोरी एरिया अंतर्गत बंद पिछरी माइंस से 2024 के फरवरी-मार्च तक हर हाल में कोयला उत्पादन शुरू हो जाएगा। कुल 98 एकड़ में 20 लाख टन कोयला उत्पादन होगा, जबकि पूरी पिछरी माइंस 459 एकड़ की है, जिसमें 28-30 मिलियन टन कोयला है, जो 16 साल का प्रोजेक्ट है।

झारखंड में पेसा कानून को दिया गया अंतिम रूप

चर्चा में क्यों?

- 24 सितंबर, 2023 को झारखंड सरकार ने सभी आपत्तियों व सुझावों पर तर्कसंगत फैसला करते हुए पेसा रूल-2022 को अंतिम रूप दे दिया है।

प्रमुख बिंदु

- पेसा रूल में ग्रामसभाओं को 'शक्तिशाली' और 'अधिकार संपन्न' बनाने का प्रावधान किया गया है। इसके तहत ग्रामसभा की बैठकों की अध्यक्षता मानकी, मुंडा आदि पारंपरिक प्रधान ही करेंगे।
- पंचायत सचिव 'ग्रामसभा सचिव' के रूप में काम करेंगे। बैठकों में कोरम पूरा करने के लिये 1/3 सदस्यों की मौजूदगी जरूरी है। कोरम पूरा करने के लिये निर्धारित इस संख्या में 1/3 महिलाओं की उपस्थिति भी जरूरी है। ग्रामसभा की बैठक में अभद्र व्यवहार करने, अनुशासन तोड़नेवाले सदस्य को बैठक से निष्कासित करने का अधिकार सभा के अध्यक्ष को दिया गया है।
- ग्रामसभा की सहमति के बिना जमीन का अधिग्रहण नहीं किया जा सकेगा। ग्रामसभा का फैसला ही अंतिम होगा। आदिवासियों की ज़मीन खरीद-बिक्री मामले में भी ग्रामसभा की सहमति की बाध्यता होगी।
- ग्रामसभा गाँव में विधि-व्यवस्था बहाल करने के उद्देश्य से आईपीसी की कुल-36 धाराओं के तहत अपराध करने वालों पर न्यूनतम 10 रुपए से अधिकतम 1000 रुपए तक का दंड लगा सकेंगी।
- दंड की अपील पारंपरिक उच्च स्तर के बाद सीधे हाइकोर्ट में की जाएगी। पेसा रूल में पुलिस की भूमिका निर्धारित करते हुए किसी की गिरफ्तारी के 48 घंटे के अंदर गिरफ्तारी के कारणों की जानकारी ग्रामसभा को देने की बाध्यता तय की गई है।
- उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा जारी पेसा रूल के प्रारूप पर 31 अगस्त तक आपत्तियाँ और सुझाव मांगे गए थे। इसके आलोक में कई संगठनों ने रूल के प्रारूप पर आपत्तियाँ दर्ज कराई थीं। साथ ही कई सुझाव भी दिये थे।
- सरकार ने उन आपत्तियों और सुझावों को अस्वीकार कर दिया है, जो हाइकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट और पेसा अधिनियम, झारखंड पंचायत राज अधिनियम-2001 के प्रावधानों के विपरीत थे। साथ ही नियम संगत सुझावों को स्वीकार करते हुए पेसा रूल-2022 को अंतिम रूप दिया है। इसमें कुल 17 अध्याय और 36 धाराएँ हैं।

- पेसा रूल में ग्रामसभा में कोष स्थापित करने का प्रावधान किया गया है। इसे अन्न कोष, श्रम कोष, वस्तु कोष, नकद कोष के नाम से जाना जाएगा। नकद कोष में दान, प्रोत्साहन राशि, दंड, शुल्क, वन उपज से मिलने वाले रॉयल्टी, तालाब, बाजार आदि के लीज से मिलने वाली राशि रखी जाएगी। ग्रामसभा में बक्से में बंद कर अधिकतम 10 हज़ार रुपए ही रखे जाएंगे। इससे अधिक जमा हुई राशि को बैंक खाते में रखा जाएगा।
- पैसा रुल के अनुसार ग्रामसभाएँ ही संविधान के अनुच्छेद-275(1) के तहत मिलनेवाले अनुदान और ज़िला खनिज विकास निधि (डीएमएफटी) से की जाने वाली योजनाओं का फैसला करेंगी। योजना के लाभुकों का चयन ग्रामसभा के माध्यम से किया जाएगा। विभाग द्वारा चलाई जाने वाली योजनाओं के लिये ग्राम सभा के द्वारा विचार-विमर्श करना होगा।
- पेसा रूल के प्रावधानों के सामाजिक, धार्मिक और प्रथा के प्रतिकूल होने की स्थिति में ग्रामसभा को इस पर आपत्ति दर्ज करने का अधिकार होगा। इस तरह के मामलों में ग्रामसभा प्रस्ताव पारित कर उपायुक्त के माध्यम से राज्य सरकार को भेजेगी।
- सरकार 30 दिनों के अंदर एक उच्चस्तरीय समिति बनाएगी। यह समिति 90 दिनों के अंदर सरकार को अपनी रिपोर्ट देगी। रिपोर्ट के आधार पर सरकार फैसला करेगी और ग्रामसभा को सूचित करेगी।
- ग्रामसभा अपनी पारंपरिक सीमा के अंदर प्राकृतिक स्रोतों का प्रबंधन करेगी। ग्रामसभा को वन उपज पर अधिकार दिया गया है। साथ ही वन उपज की सूची में पादक मूल के सभी गैर-इमारती वनोत्पाद को शामिल किया गया है।
- वन उपज की सूची में बांस, झाड़-झंखाड़, ठूंठ, बेंत, तुसार, कोया, शहद, मोम, लाह, चार, महुआ, हर्रा, बहेरा, करंज, सरई, आंवला, रुगड़ा, तेंदू, केंदू पत्ता के अलावा औषधीय पौधों और जड़ी-बूटी को शामिल किया गया है।
- ग्रामसभा को लघु खनिजों का अधिकार दिया गया है। ग्रामसभाएँ सामुदायिक संसाधनों का नियंत्रण समुदाय के पारंपरिक पद्धति और प्रथाओं से करेंगी। हालाँकि, इस दौरान विल्किसन रूल्स, छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम, संताल परगना काश्तकारी अधिनियम सहित अन्य कानूनों का ध्यान रखा जाएगा।

झारखंड के सरकारी स्कूलों में होगा 'मेरी माटी मेरा देश' कार्यक्रम का आयोजन

चर्चा में क्यों?

- 25 सितंबर, 2023 को झारखंड के स्कूली शिक्षा व साक्षरता विभाग ने सभी डीईओ और डीएसई को दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा है कि सभी सरकारी स्कूलों में 'मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम' का आयोजन किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- स्कूल संचालन से पहले छात्र-छात्राएँ अमृत कलश यात्रा निकालेंगे। इसके अलावा प्रभातफेरी निकाली जाएगी।
- 30 सितंबर तक स्कूल से किसी दिन भी स्कूलों के पोषक क्षेत्र में प्रभात फेरी निकाली जा सकेगी। इसमें राष्ट्रीय ध्वज, स्थानीय वीरों के पोस्टर रखे जाएंगे। छात्र ढोल-नगाड़े, स्थानी मंत्र का प्रयोग कर त्योहार का माहौल बनाएंगे।
- छात्र लोगों को आज़ादी दिलाने वाले वीरों और नायकों के बारे में बताएंगे। विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन होगा, इसमें रंगोली, देशभक्ति गीत इत्यादि होंगे।
- 30 सितंबर तक स्कूलों में कार्यक्रम होने के बाद एक से 13 अक्तूबर तक प्रखंडों में और 22 से 27 अक्तूबर तक सभी राज्यों की राजधानी में किया जाएगा।
- प्रखंडों में किसी एक स्कूल के बड़े मैदान में समारोह होगा। इसमें सभी जगहों से लाई गई कलश की मिट्टी मिलाई जाएगी और स्थानीय स्तर पर कार्यक्रम होगा, वहीं यहाँ से मिश्रित मिट्टी का एक कलश राजधानी लाया जाएगा।
- इसके अलावा पंच प्रण प्रतिज्ञा ली जाएगी। इसमें छात्र भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाना, गुलामी के हर अंश से मुक्ति, एकता व एकजुटता, नागरिकों में कर्त्तव्य का भाव और प्रतिज्ञा लेते हुए सेल्फी लेकर उसे वेबसाइट पर अपलोड करेंगे।

राज्यसभा के उपसभापति ने पद्मश्री बलबीर दत्त की पुस्तक 'भारत विभाजन और पाकिस्तान के षडयंत्र' का किया लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

25 सितंबर, 2023 को राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने झारखंड की राजधानी राँची के चेंबर भवन में आयोजित पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम में पद्मश्री बलबीर दत्त की पुस्तक 'भारत विभाजन और पाकिस्तान के षड्यंत्र'का लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- बलबीर दत्त बहुत डूबकर, खोजकर, अध्ययन और शोध के बाद चीजों को लिखते हैं। उसी क्रम में इस पुस्तक की रचना की गई है।
- यह पुस्तक नई पीढ़ी के लिये और वैसे सभी लोगों के लिये उपयोगी है, जो अपने काम को अच्छी तरह से संपन्न करना चाहते हैं। यह अतीत ही नहीं, वर्तमान और भविष्य को भी प्रभावित करता है।
- विदित है कि बलबीर दत्त का जन्म पाकिस्तान के लाहौर में हुआ था। विभाजन के दंश को उन्होंने करीब से देखा है, इसलिये उनकी किताब में प्रामाणिकता और दर्द साफ झलकता है।
- बलबीर दत्त ने अपनी किताब में प्रामाणिकता के साथ लिखा है कि देश के बँटवारे में जिन्ना एक माध्यम थे, औजार थे, वैसे अंग्रेज़ों ने अपनी लंबी योजना के तहत मुस्लिम लीग की स्थापना कराई थी।

झारखंड ने लगातार दूसरे वर्ष सुब्रतो कप फुटबॉल इंटरनेशनल टूर्नामेंट जीता

चर्चा में क्यों ?

- 26 सितंबर, 2023 को नई दिल्ली में आयोजित 62वीं सुब्रतो कप इंटरनेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट में अंडर 17 बालिका वर्ग में झारखंड ने लगातार दूसरे वर्ष जीत दर्ज की।

प्रमुख बिंदु

- झारखंड के खिलाड़ियों ने फाइनल मुकाबले में हरियाणा को 3-0 से हराकर खिताब में कब्ज़ा जमाया।
- झारखंड से संत पैट्रिक स्कूल, गुमला स्थित आवासीय सेंटर की टीम टूर्नामेंट में राज्य का प्रतिनिधित्व कर रही थी।
- इस टूर्नामेंट में झारखंड टीम ने पहले मुकाबले में दिल्ली के विरुद्ध 23-0, दूसरे मैच में गुजरात को 9-1, तीसरे मैच में केरल को 7-0 से, चौथे मैच क्वार्टर फ़ाइनल में त्रिपुरा को 5-0, सेमीफाइनल में एनसीसी को 2-0 से पराजित किया।
- झारखंड टीम ने 6 मैच में कुल 49 गोल कर नया इतिहास रचा।

स्मार्ट सिटी में पूर्वी ज़ोन से राँची को बेस्ट परफॉर्मर अवॉर्ड मिला

चर्चा में क्यों ?

- 27 सितंबर, 2023 को इंदौर में आयोजित इंडिया स्मार्ट सिटी कॉन्क्लेव-2023 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राँची को पूर्वी ज़ोन के स्मार्ट शहरों में बेस्ट परफॉर्मर के अवॉर्ड से सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- राज्य सरकार की ओर से नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव तथा राँची स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन के सीईओ सह प्रबंध निदेशक विनय कुमार चौबे, राज्य शहरी विकास अभिकरण के निदेशक अमित कुमार और स्मार्ट सिटी राँची के महाप्रबंधक राकेश कुमार नंदकुलियार ने इस सम्मान को प्राप्त किया।
- स्मार्ट सिटी मिशन के सिक्योरिटी, ट्रैफिक मैनेजमेंट, अर्बन मोबिलिटी, सोशल एस्पेक्ट और लैंड मोनेटाइजेशन इत्यादि कार्यों के क्रियान्वयन में बेस्ट परफॉर्मर के रूप में स्थापित करने के लिये राँची को पूर्वी ज़ोन के स्मार्ट शहरों में बेस्ट परफॉर्मर सिटी का अवॉर्ड दिया गया है।
- स्मार्ट सिटी मिशन 25 जून, 2015 को लॉन्च किया गया था। इसका उद्देश्य नागरिकों को मुख्य बुनियादी ढाँचा, स्वच्छ और जीवन की सभ्य गुणवत्ता प्रदान करना है।

मैकलुस्कीगंज को बेस्ट मिला टूरिस्ट गाँव का पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

- 27 सितंबर, 2023 को केंद्रीय पर्यटन विभाग के सचिव वी. विद्यापति ने झारखंड के 'मैकलुस्कीगंज'को बेस्ट टूरिस्ट गाँव का पुरस्कार प्रदान किया।

प्रमुख बिंदु

- एंग्लो-इंडियन सोसाइटी की ओर से प्रतिनिधित्व कर रहे मैकलुस्कीगंज निवासी एसली जॉन गोम्स ने यह पुरुस्कार प्राप्त किया।
- पर्यटन मंत्रालय द्वारा एक बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान की योजना बनाई गई है। भारत सरकार ने स्वच्छता अभियान के शुभारंभ के लिये 108 पर्यटक स्थानों की पहचान की। यह अभियान इन 108 स्थलों के साथ-साथ अन्य पर्यटक महत्त्व के स्थानों पर भी चलाया जाएगा।
- अभियान का उद्देश्य कूड़े की सफाई, स्वच्छता सुनिश्चित करना और एकल उपयोग प्लास्टिक (एसयूपी) पर प्रतिबंध लगाना तथा पर्यावरण के अनुकूल पदार्थों के उपयोग को बढ़ावा देना है। व्यापक पहुँच के लिये, स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों एवं युवा पर्यटन क्लब (वाईटीसी) के सदस्यों को भी शामिल किया गया है।
- पर्यटन के माध्यम से सांस्कृतिक विरासत और सतत् विकास को बढ़ावा देने एवं संरक्षण के लिये सर्वश्रेष्ठ ग्रामीण पर्यटन ग्राम पुरस्कार दिये गए, जिनमें देश भर से 35 ग्रामीण पर्यटन गाँव क्रमशः 5, 10 और 20 गाँवों के साथ स्वर्ण, रजत और कांस्य श्रेणियों में शामिल थे।

दृष्टि The Vision

नोट :